1 अरमान

है शौक यही अरमान यही,
हम कुछ कर के दिखलाएँगे।
मरने वाली दुनिया में हम,
अमरों में नाम लिखाएँगे ।।

जो लोग गरीब भिखारी हैं,
जिन पर न किसी की छाया है।
हम उनको गले लगाएँगे,
हम उनको सुखी बनाएँगे ।।

जो लोग हारकर बैठे हैं,
उम्मीद मारकर बैठे हैं।
हम उनके बुझे दिमागों में,
फिर से उत्साह जगाएँगे ।।

रोको मत, आगे बढ़ने दो
आजादी के दीवाने हैं ।
हम मातृभूमि की सेवा में,
अपना सर्वस्व लगाएँगे ।

हम उन वीरों के बच्चे हैं,
जो धुन के पक्के सच्चे थे।
हम उनका मान बढ़ाएँगे,
हम जग में नाम कमाएँगे ।

–रामनरेश त्रिपाठी

शब्दार्थ :

अरमान – लालसा
सर्वस्व – सब कुछ
धुन – लगन
अमर – नहीं मरनेवाला, अविनाशी
उत्साह – उमंग

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से-

1. प्रस्तुत कविता में गरीबों को गले लगाने एवं सुखी बनाने की बात क्यों की गयी है?
2. इस कविता में हारे हुए व्यक्ति के लिए क्या कहा गया है?
3. **इन पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए -**

रोको मत, आगे बढ़ने दो
आजादी के दीवाने हैं ।
हम मातृभूमि की सेवा में,
अपना सर्वस्व लगाएँगे ।

4. बूढ़े और पूर्वजों का मान बढ़ाने के लिए हमें क्या-क्या करना चाहिए?
5. क्या आप कभी किसी चीज से हारे हैं, यदि 'हाँ' तो आपने हार को जीत कैसे बनाया?

पाठ से आगे -

1. इस कविता का कौन-सा अंश आपको ज्यादा झकझोरता है? विवेचना कीजिए ।
2. आपके भी कुछ शौक या अरमान होंगे, उनको पूरा करने के लिए आप क्या करना चाहेंगे?
3. जन्मभूमि या मातृभूमि के प्रति कैसा लगाव होना चाहिए?
4. यदि आप चाहते हैं कि देश आप पर अभिमान करे तो इसके लिए आपको क्या काम करना होगा?

व्याकरण -

1. (क) रोको, मत जाने दो ।
   (ख) रोको मत, जाने दो ।

   उपर्युक्त वाक्यों में अल्प विराम चिह्न का प्रयोग अलग-अलग स्थानों पर हुआ है, जिससे उस वाक्य का अर्थ बदल गया है। इस प्रकार के कुछ और वाक्य बनाइए ।

2. **अर + मान = अरमान । इस उदाहरण के आधार पर ''मान'' लगाकर नए शब्द बनाइए ।**

अप + ... =

अभि + ... =

सम् + ... =

बुद्धि + ... =

गति + ... =

कुछ करने को-

1. पता कीजिए कि देश के लिए किन-किन लोगों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया ।
2. हर व्यक्ति का अपना कोई-न-कोई अरमान होता है। आप अपने अरमान के बारे में दस पंक्तियों में लिखिए और अपने शिक्षक को सुनाइए ।